भूटान के शिष्टमंडल के सदस्यों के सम्मान में आयोजित भोज के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का भाषण

मैं भूटान की नेशनल असेंबली के स्पीकर महामहिम वांग्चुक नामग्याल एवं संसदीय शिष्टमंडल के अन्य माननीय सदस्यों का भारत की संसद में हार्दिक स्वागत करता हूं।

मैं आपके माध्यम से महामहिम और शाही परिवार के सभी माननीय सदस्यों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। हम भूटान के साथ अपने घनिष्ठ और हर कसौटी पर खरे उतरे मित्रवत संबंधों को बहुत अधिक महत्व देते हैं।

महामहिम, हमारे पारस्परिक संबंध सदियों पुराने हैं और हमने इन्हें निरंतर मजबूत किया है। हम साझा संस्कृति वाले पड़ोसी देश है। राजकीय स्तर से लेकर जमीनी स्तर तक दोनों की जनता के बीच आपसी मेल जोल और परस्पर आदान प्रदान बना रहता है। हम चाहते हैं कि भारत और भूटान की संसदों के बीच भी चर्चा-संवाद की प्रक्रिया और अधिक विकसित और विस्तारित हो, ताकि हम एक दूसरे के अनुभवों से लाभ उठा सकें।

महामहिम, दो देशों के पारस्परिक संबंध भी कठिन समय में कसौटी पर कसे जाते हैं। हम दोनों देश कोविड-19 महामारी के कठिन समय में एक-दूसरे के साथ खड़े थे। हमारी दोस्ती के प्रतीक के रूप में, भूटान भारत की कोविड-19 टीके प्राप्त करने वाला पहला देश था।

पिछले साल भारत में आई दूसरी लहर के दौरान भारत के सीमावर्ती राज्यों को ऑक्सीजन की आपूर्ति करने के लिए दी गई मदद के लिए हम भूटान को धन्यवाद देते हैं। यह भूटान की जनता के भारत प्रेम और महामहिम भूटान नरेश के कुशल नेतृत्व और सहयोगपूर्ण दृष्टिकोण को दर्शाता है।

मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि आपका शिष्टमंडल अगले कुछ दिनों में दिल्ली के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों के अलावा मुंबई तथा औरंगाबाद का दौरा करेगा। मुंबई में जहां आप भारत में स्टार्ट अप और इनोवेशन इको सिस्टम से परिचित हो पाएंगे, वहीं औरंगाबाद की ऐतिहासिक

अजंता और एलोरा गुफाओं में आपको भारत की उत्कृष्ट कला और संस्कृति के विरासत की झलक भी मिलेगी।

मुझे आशा है कि आप सभी का भारत प्रवास अत्यन्त आरामदायक और यादगार रहेगा। महामहिम, इन्हीं शब्दों के साथ मैं भूटान और भारत के लोगों की खुशहाली और उनके बीच मित्रता और सहयोग में निरंतर वृद्धि की कामना करता हूँ और आपको स्वादिष्ट भारतीय व्यंजनों का आनंद लेने के लिए सादर आमंत्रित करता हूँ।